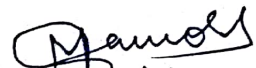


आदेश	कार्यवाही विवरण	कैफियत
30.08.2024	<p>आवेदक के वकील उपस्थित । रिपोर्ट आर0ए0 हो चुकी है। प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा दर्ज रजिस्टर किया जावे । विद्वान अधिवक्ता ने मय शपथ पत्र के इस अनुरोध पर की प्रकरण अतिआवश्यक प्रकृति का है तथा आवेदक के पक्ष में अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा जारी नहीं किये जाने पर वाद व प्रार्थना पत्र का उद्देश्य ही असफल हो जाएगा। आवेदकगण को अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा के बिन्दु पर सुना गया आवेदकगण का कथन है कि अनावेदकगण उक्त भूमि को बेचान, रहन, मुन्तकिल , जबरन कब्जा कर निर्माण व बेदखल करने पर आमादा है। अतः अनावेदकगण जबरन लाठी के जोर से प्रहसगत भूमियों में आवेदकगण के कब्जेकक्ष में दखलदांजी नहीं करें, बेचान, रहन, कब्जा, निर्माण नहीं करें , मौका एवं रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाए रखें।</p> <p>प्रार्थना पत्र की अत्यावश्यकता व तत्काल आवक्यकता को देखते हुए अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा इस अक्षय की जारी की जाती है कि आगामी तारीख पेशी तक अनावेदकगण ग्राम मणकसास पटवार हल्का मणकसास के वर्तमान भूमि खसरा नम्बर 157 रकबा 0.89 हैं. में मौका एवं राजस्व रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाये रखे। उक्त स्थगन रास्ता, बैंक ऋण वसूली, विद्युत कनेक्शन एवं नामांतरण बाबत अप्रभावी रहेगा।</p> <p>आवेदक को निर्देशित किया जाता है कि अनावेदकगण को नोटिस की तामील की सामान्य व साधारण प्रक्रिया के साथ साथ अनावेदकगण को प्रार्थना पत्र दस्तावेज नोटिस आदि की प्रतियां रजिस्टर्ड डाक से भिजवाया जाना सुनिश्चित कर इस अक्षय का शपथ पत्र प्रस्तुत करें। जिन भी स्थितियों में अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की गई है, में परिवर्तन की द्वाि में आदेश वैकेट अन्यथा संशोधित कर दिया जावेगा। पत्रावली दिनांक 30.09.2024 को पेश हो।</p>	
17/9/24	<p style="text-align: center;">  (मानिक सामोर) उपसहाय्य अधिकारी उदयपुरखर्दी (सीमाकाथाना) </p> <p> फावली प्रार्थना पत्रावली प्रकृति उक्त रिपोर्ट आर0ए0 हो चुकी है। प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा दर्ज रजिस्टर किया जावे । विद्वान अधिवक्ता ने मय शपथ पत्र के इस अनुरोध पर की प्रकरण अतिआवश्यक प्रकृति का है तथा आवेदक के पक्ष में अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा जारी नहीं किये जाने पर वाद व प्रार्थना पत्र का उद्देश्य ही असफल हो जाएगा। आवेदकगण को अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा के बिन्दु पर सुना गया आवेदकगण का कथन है कि अनावेदकगण उक्त भूमि को बेचान, रहन, मुन्तकिल , जबरन कब्जा कर निर्माण व बेदखल करने पर आमादा है। अतः अनावेदकगण जबरन लाठी के जोर से प्रहसगत भूमियों में आवेदकगण के कब्जेकक्ष में दखलदांजी नहीं करें, बेचान, रहन, कब्जा, निर्माण नहीं करें , मौका एवं रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाए रखें। </p> <p> प्रार्थना पत्र की इसी स्तर पर विद्वान प्रकृति </p>	

कदवाना) चाहे ४) पत्थर) सभ जस
 आधिकार) पञ्च जो पं स्वकार किया
 जाकर जो पं आस्था विधाय) को
 इसी सभ पर विद् किया जाता है।
 पत्रावली पञ्च सुगाइ एकर गम्बर
 से कम है व वायल दफ्तर है।

उपखण्ड अधिकारी
 उदयपुरवाटी (नीमकाथाना)